**BA BED 4 SEM**

**EDUCATION**

**UNIT 4**

ALKA ASATI

**अभिरुचि का अर्थ एवं परिभाषाएँ (Meaning and Definition of Interest)**

 सामान्य अभिरुचि का तात्पर्य संकचित (मनोरंजन) रूप में लिया जाता है। अभिरुचि से।

 आभप्राय प्रायः किसी विषय को पसन्द करना तथा उस पर ध्यान केन्द्रित करने से है न कि सिर्फ मनोरंजन से। रुचि के स्पष्ट अर्थ हेतु एक उदाहरण प्रस्तुत है- यदि किसी व्यक्ति का कोई रिश्तेदार बीमार पड़ जाता है तो वह व्यक्ति अपने रिश्तेदार के स्वास्थ को जानने में अभिरुचि अवश्य लेता है परन्तु उसका सम्बन्ध किसी भी प्रकार के मनोरंजन से नहीं होता है।

अभिरुचि से रुचि या अभिरुचि एक आंतरिक प्रेरक शक्ति है जिसके द्वारा हम किसी कार्य अथवा वस्तु को करने की ओर प्रेरित होते हैं। रुचि एक मानसिक क्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति किसी वस्तु से सम्बन्ध या लगाव प्रकट करता है।

अभिरुचि या रुचि क अर्थ को स्पष्ट करते हुए विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने निम्नलिखित परिभाषाएँ दी है

 इवर के अनुसार, अभिरुचि अपने क्रियात्मक रूप में एक मानसिक संस्कार है।"

According to Drever, "An interest is a disposition in its dynamic aspect."

को एवं को के अनुसार, रुचि व प्रेरणा-शक्ति है जो हमें किसी व्यक्ति, वरतु अथवा क्रिया की ओर ध्यान देने के लिए प्रेरित करती है।"

According to Crow and Crow, "Interest may refer to the motivating force that impels to attend to a person, a thing or activity."

सिंघम के अनुसार, "अभिरुचि अपने क्रियात्मक रूप में एक मानसिक संस्कार है।"

मैक्डूगल के अनुसार, "अभिरुचि एक छिपा हुआ अवधान है और अवधान अभिरुचि का क्रियात्मक रूप है।

**रुचियों का मापन** (MEASUREMENT OF INTERNET)

रुचि-तालिका बनाने का कार्य सर्वप्रथम सन् 1919 में 'कार्नीगे इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में प्रारम्भ हुआ। माइनर (Miner) ने हाई स्कूल के विद्यार्थियों के लिए एक रुचि-तालिका बनाई। इसके न्यादर्श में हाई स्कूल के 10,000 बालकों को लिया गया। विभिन्न क्षेत्रों, जैसे-विद्यालय, औद्योगिक एवं व्यापारिक संस्थानों, सार्वजनिक तथा व्यक्तिगत कर्मचारी-नियुक्ति कार्यालयों में इसका उपयोग किया गया। मूर (Moor) ने सन् 1921 में एक तालिका बनाई। इसमें इंजीनियर्स की यान्त्रिक एवं सामाजिक रुचियों का पता लगाने के लिए 14 प्रश्न रखे गये थे बाद में प्रश्नों की संख्या बढ़ाकर 20 कर दी गई और 10 विभिन्न व्यावसायिक समूहों में रुचियों के मापन में इसका प्रयोग किया। मूर की व्यावसायिक रुचि-तालिका' (Occupational Interest Inventory) में अग्रलिखित व्यवसायों में रुचि का मापन किया जाता है

|  |  |
| --- | --- |
| यान्त्रिक व्यवसाय (Machanical Vocations) | सामाजिक व्यवस्था (Social Vocations) |
| 1वास्तुकार (Architect)  | 1. वहित्र विक्रेता (Automobile Salesman) |
| 2वहित्र प्रतिसंस्कता (Automobile Repair- man) | 2. बैंक का खजांची (Bank Cashier) |
| 3. बढ़ई (Carpenter) | 3. किसी जनप्रिय पत्रिका का सम्पादक (Editor of a Popular Magazine) |
| 4. मानचित्रकार (Draftsman) | 4. होटल-मालिक (Hotal Owner) |
| 5. सरकारी ज्योतिष (Govt. Astronomer) | 5. वकील (Lawyer) |
| 6 यन्त्रकार (Machanist) | 6 प्रतिवेदन (News-paper) |
| 7. प्रतिकृति-निर्माता (Patternmaker) | 7 समाचार-पत्र Reporter) |
| ৪ भौतिकशास्त्र में अन्वेषक (Research Worker in Physics) | 8. व्यक्तिगत सचिव (Private Secretary) |
| 9. उपकरण बनाने वाला (Tool-maker) | 9. क्रय अभिकर्ता (Purchasing Agent) |
| 10. घड़ीसाज (Watch-maker) | 10. सम्पदा अभिकर्ता (Estate Agent) |

क्रेग ने 1924-25 में विभिन्न प्रकार की रुचियों का मापन करने के लिए अनेक रुचि-तालिक प्रस्तुत की। इनमें प्रथम तालिका "रुचियों एवं अधिमानों की प्रश्नावली" (A Questionnaire of Interest & Preferences) है, जिसमें दो पृष्ठों में 5 लम्बे प्रश्न हैं। दूसरी तालिका 'व्यावसायिक अधिमा- (Occupational Preferences) है, जिसमें 49 पद हैं; तीसरी 'अधिमानों का लेखा' (Record Preferences) है; चौथी "रुचि परिसूची" (Interest Blank) है, जिसमें अनेक क्रियाओं से सम्बन्धित प्र= हैं; जैसे-तैरना, व्यक्तिगत सचिव होना, स्कूल जाना, बैन्जो बजाना, कविता लिखना, खेती कर दुकानदारी करना आदि।